- खगड़िया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 06
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

स्कूली वैन एवं कार में असामाजिक तत्वों ने लगाई आग

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

शहर के भगवान बाजार थाना अंतर्गत बस स्टैंड स्थित पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे खड़ी एक स्कूली वैन एवं कार में असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। जिसके कारण दोनों वाहन जलने लगे,वहीं समीप स्थित नर्सिंग होम एवं पेट्रोल पंप कर्मियों के द्वारा इसकी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास शुरू किया। जिसकी मदद से आग पर काबू पा लिया गया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर स्वाहा हो चुकी थी। वहीं स्कूली वैन 50 फ़ीसदी जल गई,स्कूली वैन जिले के कोपा थाना अंतर्गत इंडियन पब्लिक स्कूल की बताई गई।

अगुवानी सुल्तानगंज में बने पीपा पुल : डॉ. संजीव

पटना। विधायक डॉ. संजीव कुमार ने बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने अनुवानी सुल्तानगंज गंगा नदी के बीच पीपा पुल लगाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि अगुवानी सुल्तानगंज के बीच गंगा नदी पर पुल के बनने में चार साल से ज्यादा समय लगने की संभावना है। इसलिए तत्काल नया पीपा पुल या पटना हाजीपुर गांधी सेतु के बीच पीपा पुल जो उपयोग में नहीं है, उसे अगुवानी सुल्तानगंज के बीच लगा दिया जाय।

लोजपा (रा) में शामिल हुए बसपा समर्थक

पटना। लोजपा (रा) के प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित मिलन समारोह में बसपा के पप्पू कुमार मालाकार, रंजीत कुमार, कांग्रेस, रघुनंदन दास और राजद के सतेन्द्र कुमार अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शंकर शर्मा, जिला अध्यक्ष गुड़िया शर्मा ने इन्हें सदस्यता दिलायी। इस अवसर पर डॉ. सत्यानंद शर्मा, अनिल पासवान, दिलीप यादव, सियाराम यादव उपस्थित थे।

प्रियंका गांधी ने की सरकार की आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में शराबबंदी लागू है, लेकिन जहरीली शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। सीवान और सारण जिलों में जहरीली शराब से बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु की खबर बेहद दुखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में भर्ती हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। बिहार में शराबबंदी लागू है लेकिन जहरीली शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, जिससे आये दिन मौतें होती हैं।

पिपरा के खाजा से बढ़ेगी उद्यमिता : प्रमिल

पटना। उग्रतारा न्यास उपाध्यक्ष सह जदयू नेता प्रमिल कुमार मिश्रा ने कहा कि सुपौल जिले के विख्यात पिपरा के खाजा को जीआई टैग मिलने से सीधे तौर पर उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इससे इस क्षेत्र में समृद्धि आएगी। पिपरा का खाजा अपनी विशिष्ट, बारीक बनावट के कारण पूरे बिहार और नेपाल में मशहूर है। वर्ष 2022 में मेरी पहल पर तत्कालीन कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने पिपरा के खाजा को जीआई टैग देने की कार्रवाई की थी, जो प्रक्रिया प्रगति में है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लॉस एंजिल्स में खोला यूएस का अपना फ्लैगशिप शोरूम

अक्टूबर में दुनिया भर में 20 नए शोरूम खोलने की योजना

दैनिक बिहार पत्रिका/मुंबई

दुनिया के सबसे बड़े ज्वेलरी ग्रुप में एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लॉस एंजिल्स में यूएस का अपना फ्लैगशिप शोरूम खोला है. यह उत्तरी अमेरिका में मलाबार समूह के विकास का अहम पड़ाव है. यह अमेरिका में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स का पांचवां और अब तक का सबसे बड़ा शोरूम है. शोरूम के उद्घाटन समारोह की अगुवाई कैलिफोर्निया की कांग्रेस वुमन मिशेल स्टील ने किया. समारोह में मलाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद, वाइस चेयरमैन केपी अब्दुल सलाम, अंतरराष्ट्रीय परिचालन के प्रबंध निदेशक शामलाल अहमद, उत्तरी अमेरिका के क्षेत्रीय प्रमुख जोसेफ इपन और मैनेजमेंट के अन्य वरिष्ठ लोग शामिल हुए. यह शोरूम आर्टेसिया सिटी में 6,500 वर्ग फीट में फैला हुआ है. इसमें 20 देशों के 30 हजार से ज्यादा ज्वेलरी डिजाइन हैं और करीब 25 खास ब्रांड फीचर किए गए हैं. यहां ग्राहक अपनी ज्वेलरी को पर्सनलाइज भी करा सकते हैं. शोरूम के उद्घाटन के जश्न के उपलक्ष्य में हीरे व कीमती रत्नों के आभूषण खरीदने वाले सभी ग्राहकों को गारंटीड गोल्ड कॉइन मिलेंगे. यह ऑफर 3 नवंबर तक के लिए है. मलाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद ने इस मौके पर कहा, "लॉस एंजिल्स में हमारे फ्लैगशिप शोरूम से पता चलता है कि हम ज्वेलरी खरीदने का अनोखा अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं. यह स्थान हमारे लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि विकास की हमारी रणनीति में उत्तरी अमेरिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. हम इस अक्टूबर में वैश्विक स्तर पर 20 नए शोरूम खोलने की अपनी योजना का ऐलान करते हुए उत्साहित हैं. हम उस समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसने हमें दुनिया के सबसे प्रमुख ज्वेलर में एक बनने के हमारे लक्ष्य को पाने में मदद की है." मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स का अमेरिका में छठा शोरूम जल्द ही अटलांटा, जॉर्जिया में खुलेगा. कंपनी ने विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है, जिसके तहत सैन फ्रांसिस्को, सिएटल, ऑस्टिन, टैम्पा, वर्जीनिया, डेट्रायट, ह्यूस्टन, चार्लोट, फीनिक्स, न्यूयॉर्क और सैन डिएगो जैसे शहरों को टारगेट किया जा रहा है. मलाबार ब्रांड कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया और अल्बर्टा में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेगा| अक्टूबर में लॉन्च होने वाले 20 नए शोरूम में से सात पहले ही खुल चुके हैं. बाकी के 13 शोरूम यूएसए, यूएई, कतर, सऊदी अरब और भारत में खुलने वाले हैं|

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अभी 13 देशों में 360 से अधिक शोरूम चला रहा है. कंपनी अपने मुनाफे का 5 फीसदी हिस्सा सामाजिक जिम्मेदारी वाली विभिन्न परियोजनाओं पर खर्च करती है|

भारी मात्रा में शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

सारण पुलिस ने जिले के सोनपुर एवं डोरीगंज थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर भारी मात्रा में शराब के साथ चार कारोबारियों को गिरफ्तार किया है,वही एक ट्रक भी जब्त की गई है। इस बात की जानकारी देते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि उनके निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब / मादक पदार्थ का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया गया। उसी क्रम में सोनपुर थाना अंतर्गत कुशवाहा चौक के पास से मद्यनिषेध पटना के सहयोग से एक ट्रक जब्त किया गया।जिसमें 104 कार्टन विदेशी शराब जिसकी कुल मात्रा लगभग 898.56 लीटर बरामद किया गया, साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों में सोनपुर थाना क्षेत्र के नवल टोला सबलपुर गांव निवासी सुखी राय, पिता सकलदीप राय एवं पटना जिला के दानापुर थाना अंतर्गत नासरीगंज बिस्कुट फैक्ट्री मोड़ निवासी पिंटू कुमार पिता अखिलेश राय शामिल हैं।

लोजपा (रा) संसदीय बोर्ड के प्रदेश महासचिव बने पूर्णेदु सिंह

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

लोजपा रामविलास संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष हुलास पांडेय ने सारण जिला के संसदीय बोर्ड के जिला अध्यक्ष पूर्णेदु सिंह को संसदीय बोर्ड का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। साथ ही मशरक नगर पंचायत के अध्यक्ष मुकेश सिंह को संसदीय बोर्ड का नया जिला अध्यक्ष बनाया गया है। जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह और प्रदेश नेताओं की उपस्थि में संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष हुलास पांडेय ने दोनों नेताओं क़ो मनोनयन पत्र दिया। जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने बधाई देते हुए कहा है कि काम करने वालों को उचित मान-सम्मान देने वाली इकलौती पार्टी है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से नन्दकिशोर माझी, कौशल सिंह, राजरौशन सिंह भवानी, दिग्विजय सिंह, डॉ निरज दुबे, कमलेश पांडे, आलोक पांडे, देवेन्द्र सिंह, अमित बौद्ध, गोलू सिंह, सम्राट रविकान्त आदि शामिल हैं।

नशा मुक्ति के लिए जीविका दीदी ने चलाया जागरूकता अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

सारण जिला के इसुआपुर प्रखंड अंतर्गत रामपुर अटौली एवं इसुआपुर पंचायत में स्थानीय जीविका दीदियों के सहयोग से मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग द्वारा लोगों को शराब एवं अन्य नशा से दूर रहने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। दर्जनों जीविका दीदियों द्वारा प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग गांव में नशा मुक्त समाज निर्माण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शराब सेवन करने वाले को शराब के दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही है। प्रभात फेरी,रंगोली एवं शपथ ग्रहण के माध्यम से लोगों को नशा से दूर रहने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

बांका: मंदार में छठ को लेकर बनने लगे घाट

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कुमार शर्मा

बौंसी/बांका:- मंदार धार्मिक क्षेत्र में छठ पर्व के आगमन से बहुत पहले ही घाट बनाने की तैयारी शुरू हो जाती है इसके लिए श्रद्धालुओं द्वारा शहर के प्रसिद्ध जल संचित नदी तलाब में तथा पोखर में छठ के घाट बनाने का निर्माण शुरू हो गया है। युवाओं द्वारा अपने-अपने पसंदीदा स्थल का एडवांस में चयन कर इसके निर्माण कार्य किया जा रहे हैं लोगों का कहना है कि दुर्गा पूजा के दस्त के साथ ही छठ पूजा के घाट का निर्माण शुरू हो जाता है। क्योंकि यहां काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और बाद में घाट को लेकर जगह की समस्या बन जाती है। आगामी 7 नवंबर को प्रथम अर्घ्य दिया जाएगा।

टीकाकरण के बाद चार माह की बच्ची की मौत, परिवार में मातम

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

गोगरी। गोगरी नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 32 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-4 पर आयोजित टीकाकरण अभियान में चार माह की बच्ची को टीका लगाने के बाद रात्रि में बच्ची की मौत हो गई। घटना बुधवार की रात्रि की है। मृत बच्ची जमालपुर इमली तल के पास के रहने वाली है। परिजनों ने मृत बच्ची को लेकर गुरुवार की सुबह अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से लिखित शिकायत दी। मृत बच्ची के पिता मंगल कुमार ने बताया कि बुधवार को आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-4 पर टीकाकरण आयोजित शिविर में किया गया था। जिसमे वह अपनी चार माह की बच्ची अन्नू कुमारी को टीकाकरण कराने ले गए तो वहां उपस्थित एएनएम ने पांच प्रकार का इंजेक्शन लगाई। इंजेक्शन लगाने के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। तुरंत केंद्र पर जाकर बच्ची के स्वास्थ्य के बारे में एएनएम को बताया। एएनएम ने परिजनों को कहा कि शाम तक सब ठीक हो जायगा। रात में बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाया है।अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि टीकाकरण में शामिल एएनएम से जबाब तलब कर कार्रवाई की जाएगी। इधर घटना की खबर पर गोगरी पुलिस ने पहुंचकर परिजनों से पूछताछ कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि लिखित आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

थाना में दिए गए मारपीट के झूठे आवेदन की खुली पोल, मुखिया सरपंच की उपस्थिति में ग्रामीण हुए एक जूट

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- थाना क्षेत्र के भेलवातरी गांव में वाद विवाद में मारपीट कर जख्मी कर देने का आरोप लगाते हुए भेलवातरी गांव के ही राजू राय ने थाने में एक आवेदन देकर गांव के ही अशोक राय, छोटू राय, अशोक राय की पत्नी, रामनारायण राय एवं बिंदेश्वरी तांती को आरोपी बनाया है। राजू राय द्वारा थाने में आवेदन देने की भनक लगते ही गुरुवार को दिन के 11:00 बजे संबंधित पंचायत के मुखिया एवं सरपंच की उपस्थिति में सैकड़ो ग्रामीणों की एक बैठक भेलवातरी गांव में हुई। बैठक में ग्रामीणों ने विचार विमर्श करते हुए राजू राय द्वारा थाने में दिए गए आवेदन को झूठा एवं निराधार बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए बैठक में उपस्थित ग्रामीण जितेंद्र राय, विजय राय, धनेश्वर तांती, ननकु तांती, महादेव राय, विष्णु देव राय सहित दर्जनों लोगों ने बताया की साजिश के तहत दूसरे के बहकावे में आकर राजू राय ने झूठा मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में दिया है, जिससे हमसभी ग्रामीण मर्माहत है। आगे ग्रामीणों ने राजू राय के झूठे आवेदन के खिलाफ दो दर्जन से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर फुल्लीडुमर थाने में एक आवेदन देकर निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमे में फंसने से बचाने की मांग थाना अध्यक्ष से की है। जिसमें मुखिया एवं सरपंच द्वारा भी अनुशंसा की गई है। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि दर्जनों ग्रामीणों का हस्ताक्षर युक्त आवेदन मिला है, जिसमें राजू राय द्वारा दिए गए आवेदन को झूठा बताया गया है। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही थाना अध्यक्ष ने निर्दोष लोगों को नहीं फंसने की भी बात बताई।

गव्य विकास की योजनाओं से संबंधित कार्यशाला का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- जिला गव्य विकास कार्यालय, बांका के प्रांगण में गुरुवार को क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक (गव्य) भागलपुर की गरिमामयी उपस्थिति में गव्य विकास की योजनाओं से संबंधित एक कार्यशाला आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गव्य विकास एवं अन्य संबंद्ध विभाग द्वारा योजनाओं की विस्तृत जानकारी विभागीय पदाधिकारीयों एवं बैंकर्स बन्धुओं के साथ साझा किया गया। विभागीय पदाधिकारीयों एवं बैंकर्स बन्धुओं की शंकाओं का समाधान पर चर्चा की गई एवं अपेक्षाओं पर हर तरह के सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। गव्य विकास की योजनाओं में देशी गौपालन प्रोत्साहन योजना जो माननीय मुख्यमंत्री की सात निश्चय 2 के अंतर्गत है एवं समग्र गव्य विकास योजनाओं पर काफी विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर डी०डी०एम०, नाबार्ड, बांका, सहायक निदेशक, गव्य, प्रक्षेत्र भागलपुर,, जिला कृषि पदाधिकारी, बांका, जिला पशुपालन पदाधिकारी, बांका,, डी०पी०एम०, जीविका, सुधा डेयरी बांका प्रभारी उप परियोजना निदेशक, आत्मा ने भी अपनी योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। एस०डी०सी०, बैंकिंग, बांका सह महाप्रबंधक डी०आई०सी० द्वारा बैंकर्स बंधुओं से उनको प्राप्त आवेदन के ससमय निष्पादन करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा बैंकर्स की ओर से विभाग को और विभागों की ओर से बैंकर्स को हर तरह से संयोजक की भूमिका अदा करने का आश्वासन दिया गया। कार्यशाला के सफल संचालन से जिले में संचालित उक्त दोनों योजनाओं को गति प्रदान करने में आपेक्षित लाभ की संभावना है। मौके पर मीडिया कर्मी की उपस्थिति से कार्यक्रम सुशोभित हुआ। राजेश कुमार, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, ने कार्यशाला के सफल संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा की इससे ससमय लक्ष्य की उपलब्धि प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।मौके पर कार्यालय के डेयरी फिल्ड ऑफिसर, रामकिशोर चौधरी ने मंच का सकुशल संचालन किया।

05.000 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद,अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- कटोरिया थानान्तर्गत सिझुआ से प्र० स० अ० नि० म० नि०. स्वीटी कुमारी के नेतृत्व में अभियुक्त अयोध्या तुरी, पिता- स्व० भुमेश्वर तुरी, घर-कौहवारा, थाना-कटोरिया, जिला-बाँका के कब्जे से कुल अवैध चुलाई शराब की मात्रा-05.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में कुल 08 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय, बाँका के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से उन्हें जुर्माना देने के उपरांत मुक्त कर दिया गया।

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की कि गयी विस्तृत जाँच

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- बाँका जिला में अवस्थित शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित सभी 12 (बारह) कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय छात्रावास में नामांकित छात्राओं को देय सुविधाओं एवं सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से साफ-सफाई एवं अन्य को ध्यान में रखते हुए जाँच हेतु जिला पदाधिकारी, बांका के निर्देश पर जाँचदल का गठन किया गया है। सभी प्रतिनियुक्त जाँच पदाधिकारियों को निदेश गया है कि दिनांक 17.10.2024 को कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय का विस्तृत जाँच करते हुए जाँच प्रतिवेदन जिला गोपनीय शाखा, बाँका में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

2013 हुंकार रैली के दौरान सीरियल ब्लास्ट में जख्मी हुए भाजपा जिलाध्यक्ष के पैर का हुआ सफलतम ऑपरेशन

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कुमार शर्मा

बौंसी/बांका:- वर्तमान बांका भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश मिश्रा 27 अक्टूबर 2013 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुंकार रैली कार्यक्रम के दौरान पटना के गांधी मैदान में हुए सीरियल ब्लास्ट धमाके में गंभीर रूप से घायल हो गये थे। जिनका ऑपरेशन भागलपुर के एक निजी क्लीनिक में सफलतापूर्वक हो गया। हालांकि जिलाध्यक्ष का उस समय भी इलाज करवाया गया था। सीरियल बम धमाके में घायल होने के बाद वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनसे अस्पताल में मिलने पहुंचे थे। लेकिन मंगलवार को उनका पैर अचानक जाम हो गया। जिसकी वजह से उन्हें भागलपुर के मशहूर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमर कुमार के पास इलाज के लिए ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के क्रम में पाया कि उनके पैर में बम का छर्रा फंसा हुआ है। जिसके बाद बुधवार को रात 8:30 बजे के करीब पैर की हड्डी को काटकर छर्रे को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। जानकारी देते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष मनमीत साह ने बताया कि उनके पैर का ऑपरेशन विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा सफलता पूर्वक कर दिया गया है। जिससे जिले भर के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

निमाटांड टीम को वन जीरो से पराजित कर दुधवा टीम जीता फस्ट प्राइज

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- छाता मेला के अवसर पर चांदन पंचायत अंतर्गत जनकपुर के खेल मैदान में आदिवासी बहुल समाज के नेहरू युवा के द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का दुसरा दिन गुरूवार को मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार के नेतृत्व में फाइनल मुकाबला खेला गया। इस खेल में आठ टीमों ने भाग लेकर अपना अपना किस्मत अजमाया, अंत में एफ सी निमाटांड और एस एस सी दुधवा टीम के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, खेला दोनों टीमों के बीच कांटे का टक्कर चलते हुए एस एस सी दुधवा टीम ने निमाटांड टीम को पछाड़ कर एक गोल कि बढ़त बना कर टूर्नामेंट पर कब्जा जमा लिया। और विजेता टीम प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार के हाथों फर्स्ट प्राइज बीस हजार रुपए नकद पुरस्कार प्राप्त किया। इस तरह उप विजेता सेकेंड प्राइज निमाटांड टीम ₹15000, थर्ड प्राइज ब्लाक टाइगर ₹7000, फोर्थ प्राइज मूर्मू ब्रदर टीम को ₹7000 नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं मेन आफ़ द मैच का पुरस्कार सरजीत हांसदा को दिया गया। इस टूर्नामेंट का सचिव शिवकुमार सोरेन,कांमेंटरी सुशील सोरेन, रेफरी कि भुमिका में सुरेंद्र टूडू, कांति हांसदा, शशिकांत सोरेन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार सहित सरपंच राकेश कुमार बच्चू, गणेश सोरेन, संजय टुडू, अरुण यादव, राजाराम यादव,जीतनरायण यादव, गोपाल यादव के आलावा मैदान के चारों आदिवासी बहुल के हजारों दर्शक दीर्घा मौजूद थे।

संगठन की मजबूती एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जदयू नेताओं की हुई बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- गुरुवार को फुल्लीडुमर प्रखंड के समाजसेवी सह जदयू नेता पिंटू कुमार यादव के निजी आवास पर प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह चंद्रवंशी की अधिकता में एवं मुख्य अतिथि जदयू जिला अध्यक्ष बांका अमरेंद्र कुमार सिंह, विधानसभा प्रभारी बेलहर संजीव कुमार की उपस्थिति में प्रखंड जदयू नेताओं की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श करते हुए अभी कार्य में लग जाने की बात कही गई। वहीं बैठक में जदयू के वरिष्ठ कार्यकर्ता विवेकानंद तांती ने अपने ही सरकार में अफसर शाही एवं भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए बिना चढ़ावा के प्रखंड से जिला तक लोगों का कोई काम नहीं होने की बात कही। वहीं बैठक में जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी एवं अन्य वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार रखते हुए संगठन की मजबूती, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्य करने एवं नीतीश कुमार के किए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। वहीं बैठक में मुख्य रूप से जदयू नेता भुवनेश्वर राय, प्रभाष चंद्र सिंह, अमरेंद्र राव, प्रणव कुमार मंडल ,हेमंत कुमार, विवेकानंद तांती ,संजय मांझी, चंदन सिंह, विनय सिंह न्याय प्रिय ,गोपाल कोड़ा, पूर्व युवा जदयू जिला अध्यक्ष संजय मंडल, सिकंदर सिंह, उदय यादव, राजेश सिंह सहित दर्जनों जदयू नेता एवं कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

जिला परिषद सदस्य ने आधे दर्जन गांवों का दौरा कर क्षेत्र की समस्याओं से हुए अवगत

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- प्रखंड के उत्तरी जिला परिषद सदस्य विश्वजीत दीपांकर ने गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के आधे दर्जन गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान जिला परिषद सदस्य दीपांकर प्रखंड क्षेत्र के लौढ़िया, पथड्डा, डिमई,मानिक पथड्डा, कैथा, बेलसीरा आदि गांव का दौरा किया। वहीं ग्रामीणों ने प्रखंड में सर्व कर्मियों की मनमानी एवं अंचल कर्मियों द्वारा रैयतों के किसी भी काम के लिए परेशान करने की बात कही।

जिस पर दीपांकर ने हर संभव समस्या के समाधान की बात कही। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान मुख्य रूप से पंचायत समिति सदस्या बबीता देवी, संजय यादव ,सचिंद्र यादव, सुनील यादव, रामबरन चौधरी सहित दर्जनों ग्रामीण एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंटर स्कूलों में शुरू हुई मासिक परीक्षा

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

जिले के इंटर स्तरीय स्कूलों में 11वीं कक्षा में अध्यनरत छात्र व छात्राओं की मासिक परीक्षा गुरुवार से शुरू हुई। पहले दिन पहली पाली में फिजिक्स, दर्शनशास्त्र विषय की परीक्षा हुई। द्वितीय पाली में केमेस्ट्री, राजनीति विज्ञान विषय की परीक्षा ली गई। परीक्षा को लेकर स्कूलों में स्टूडेंटस की चहल-पहल बढ़ी रही। बता दें कि अक्टूबर माह की मासिक परीक्षा आगामी 24 अक्टूबर तक विषयवार चलेगी। इधर आगामी 21 अक्टूबर से नौवी, दसवीं व 12वीं के स्टूडेंटस की मासिक परीक्षा आयोजित होने वाली है। बता दें कि बोर्ड से ही प्रश्नपत्र सह उत्तरपुस्तिका स्कूलों को उपलब्ध कराई जा रही है।

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री ने करवाई अयोध्या के दर्शन

दैनिक बिहार पत्रिका

गया।,कसया,।कसया उत्तर प्रदेश के रहने वाले डी के रौनीयार एवं भारत का मान सम्मान बढ़ाने वाले राजीव गुप्ता सभी परिवार कयी सालों से सोच रहे थे भगवान श्री राम की भुमी पुजन हो जाएगी तो भगवान श्री राम का दर्शन करुगा|

लेकिन भिड और कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण धीरज रौनीयार ने पुर्वांचल के विकास पुरुष उत्तर प्रदेश कृषि मंत्री के सहयोग और प्रयास भगवान श्री राम का दर्शन कर पाए भारत से बाहर रहने वाले लोग ने, जिससे पुरे भारत के साथ साथ विदेशों में कृषि मंत्री सुर्य प्रताप शाही की प्रशंसा और गुणगान किया गया है।आगे भी विकास पुरुष से सहयोग प्राप्त होगा यह कहना धीरज रौनीयार कसया ने की है कि।

गया में सफल रामलीला मंचन में पब्लिक और प्रशासन की रही महत्वपूर्ण भूमिका: गौरव

दैनिक बिहार पत्रिका

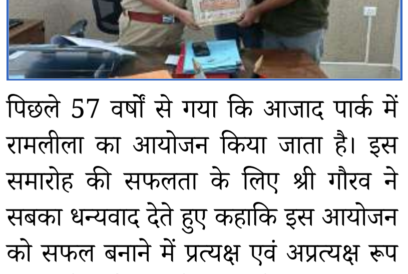

गया: श्री आदर्श लीला समिति के द्वारा 7 से 12 अक्टूबर तक सफल रामलीला मंचन किया गया है। रामलीला के सफल मंचन में पब्लिक और प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसको लेकर श्री आदर्श लीला समिति के अध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा ने जिला प्रशासन की भूमिका की सराहना की तथा समिति की तरफ से जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन और नगर पुलिस अधीक्षक प्रेरणा को उनके दफ्तर में जाकर सम्मानित किया है। सिन्हा ने कहा आदर्श लीला समिति के द्वारा पिछले 57 वर्षों से गया कि आजाद पार्क में रामलीला का आयोजन किया जाता है। इस समारोह की सफलता के लिए श्री गौरव ने सबका धन्यवाद देते हुए कहाकि इस आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सबकी भूमिका रही, वो सभी लोग बधाई के पात्र हैं। वही समिति के कार्यकारणी अध्यक्ष संदीप सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष विशेष कर आजाद पार्क में सुरक्षा व्यवस्था प्रशासन के द्वारा कराई गई थी जिसके लिए समिति परिवार जिला प्रशासन का आभारी है जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन ने भी समिति के प्रति सफल सात दिवसीय रामलीला मंचन के लिए बधाई दी और समिति के प्रति आभार जताया है।

न्याय की गान्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

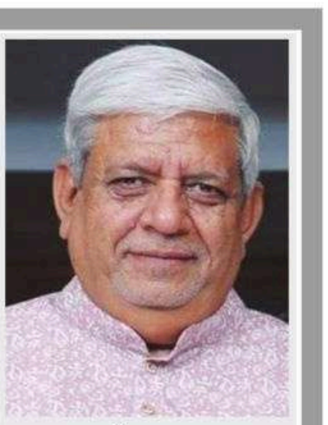

राकेश अचल

न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी।

कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निदेशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। कानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए ।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम कानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्स्व पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरूआत अच्छी है।

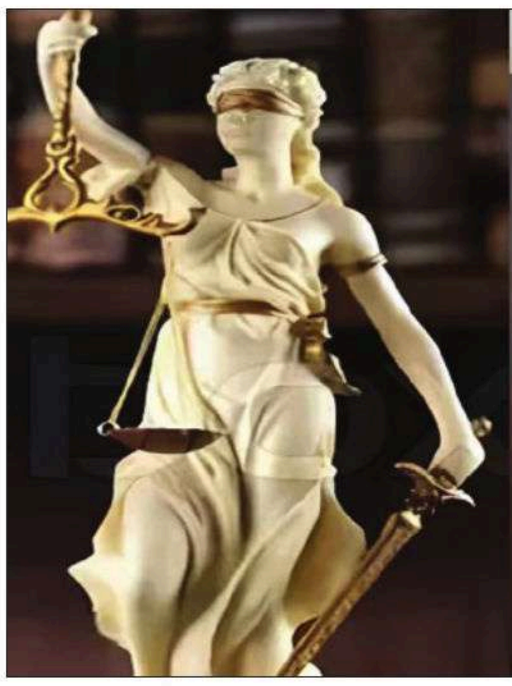

हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आअंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की आँखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दिप न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।

दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार । अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।

हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है । आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

हमारे कानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है,न्यायधीश ये नहीं कर सकते । नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। । बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृर्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होग। राम जाने ?

संपादकीय

सकारात्मक पहल

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों के हित में 'अर्न व्हाहिल लर्न' योजना शुरू कर रहा है जिसमें वे अपनी नियमित पढ़ाई के दौरान कमाई भी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय छात्रों को विभिन्न माध्यमों मसलन इंटर्नशिप, रिसर्च असिस्टेंटशिप आदि से कमाने का मौका देग। इसके लिए ड़ीयू का प्रत्येक विभाग उद्योग आदि की मदद से कॉर्पस फंड़ जनरेट करेगा। विभाग विभिन्न एजेंसियों के साथ करार करेगा ताकि छात्रों को इनमें इंटर्नशिप मिल सके। पार्ट टाइम जॉब के लिए स्थानीय व्यापार संगठनों को भी जोड़ेग़ा। प्रिंसिपल इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत छात्रों को मानदेय दिया जाएगा। जरूरतमंद छात्रों को टीचर असिस्टेंटशिप दिए जाने की योजना पर भी जोर रहेगा। योजना का प्रारूप निश्चित रूप से बेहद सकारात्मक प्रतीत हो रहा है। देश भर से छात्र बेहतर भविष्य की कल्पना के साथ दिविवि में दाखिला लेते हैं जिसमें ढ़ेरों मेधावी और परिश्रमी छात्र ऐसे होते हैं, जिनकी पृष्ठभूमि कमजोर वर्ग से होती है। बीते सालों में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह ड़ीयू ने भी विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क काफी बढ़ा दिया है। ऐसे में घर-परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करने वालों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इस मंहगे महानगर में खाने और आवास की व्यवस्था कर पाना उनके लिए बेहद संघर्षपूर्ण होता है। निर्धन देशों में ही नहीं दुनिया भर के अति समृद्ध देशों में भी छात्रों के लिए ऐसी सुविधा होती है जिसमें वे पार्टटाइम काम कर-के कुछ पैसा स्वयं कमा सकते हैं। इससे न सिर्फ छात्र आर्थिक रूप से स्वावलंबी होंगे, बल्कि उन्हें मिलने वाले इस अनुभव का अतिरिक्त लाभ नौकरियां प्राप्त करने के दौरान में भी मिल सकेगा। हालांकि अपने यहां पार्टटाइम काम करने के न तो बहुत अवसर हैं, न ही प्रचलन। क्योंकि काम से ज्यादा उन्हें करने वाले मौजूद हैं, वह भी बेहद कम मेहनताने पर परंतु ये छात्र प्रशिक्षित होने के साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे होंगे, इसलिए नियोक्ता को भरपूर मदद मिल सकती है। चूंकि यह काम उन्हें विश्वविद्यालय परिसर या आसपास मिलने की सुविधा होगी तो वे पढ़ाई में अपना वक्त ज्यादा दे सकेंगे। बढ़ती बेरोजगारी और मंहगाई के मद्देनजर यह कदम छात्रों के हित में प्रतीत हो रहा है, हालांकि इससे उनकी पढ़ाई बाधित हाने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जितनी संख्या में छात्र हैं, उस अनुपात में जरूरतमंदों को उतना रोजगार दिलाना भी विश्वविद्यालय के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं होगा।

चिंतन-मनन

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रुपए तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं।

इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी।

दारा ने नजर उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है।

जम्मू - कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकर के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.

2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी. ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथग्रहण में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित दिग्गज नेता राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी शामिल हुए हैं, लेकिन पार्टी ने अपने कोटे से सरकार में किसी को भी मंत्री नहीं बनवाया है. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है. जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है. पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस

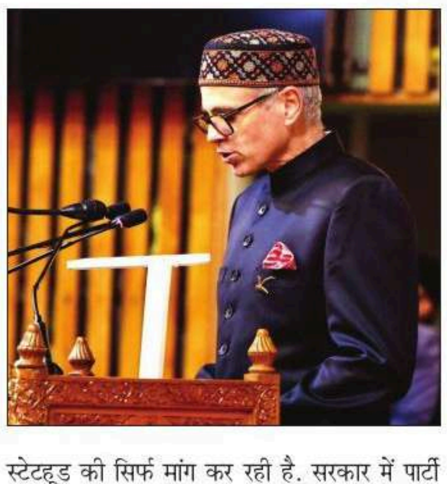

स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है. सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के 1-2 मंत्री पद देना चाह रही थी. कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता सांकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे. 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है. इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं. कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है.कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई. अतः कॉंग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है... बदल चुके जम्मू - कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं.

-दिलीप कुमार पाठक

बेकाबू महंगाई का सितम झेलती जनता

भारत सहित हिमाचल में इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हिमाचल में जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन चल रहा है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं।

ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुमार्ने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। त्योहारी सीजन के बीच में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढकर 5.49 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 3.65 प्रतिशत थी। वहीं सितंबर में थोक महंगाई बढकर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। महंगाई बढ? के पीछे खाद्य एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न और सब्जियों की बबार्दी न करें।

अधिकारियों से उम्मीद है कि वे खाद्य वस्तुओं, विशेषकर फल, सब्जियों की उपलब्धता पर नजर रखने के साथ-साथ उनके दामों को नियंत्रण में रखते हुए सब्जी विक्रेताओं को प्रतिदिन के भावों को लिखकर बोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगे, ताकि गरीब एवं सामान्य जनता को उनके हाथों से लुटने से बचाया जा सके। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है। आज अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना-प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना-देना ही नहीं है। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है। क्या आयकर विभाग ऐसे विक्रेताओं की कमाई तथा टैक्स देयता की भी जांच पड़ताल करेगा? प्रश्न यह भी उठता है कि जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है?

अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य

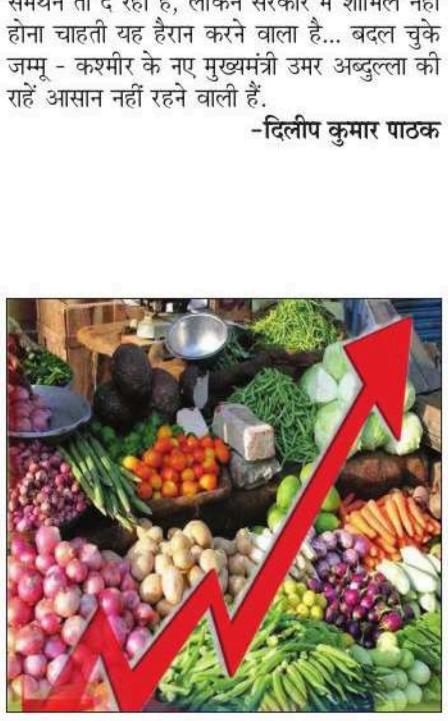

वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं? लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी तो अंततः जनता जनार्दन की कृपा से ही सरकारें बनाने का सुफल मिलता है, तो फिर क्यों वे आम जनता के हितों को नजरअंदाज करते हैं? सरकार को चाहिए कि वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और कालाबाजारी निवारण एवं आवश्यक वस्तु आपूर्ति रखरखाव अधिनियम 1980 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करे। अंततः सवाल उठता है कि क्या सरकार और अफसरशाही के पास इस लूटपाट को अंजाम देने वाले जमाखोरों, मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने का जीवट है?

-अनुज आचार्य (स्वतंत्र लेखक)

मध्यप्रदेश के बेटी निकिता ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब

भोपाल। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

भीषण सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार की मौत, चार घायल

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुये एक सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुये घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि हरियाणा के पलवल जिले के होडल कस्बे की ओर जा रही पिकप गाड़ी कोसी शेरगढ़ मार्ग पर नगला सातबिसा के पास एक बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे बिजली का तार टूट गया। इससे घबड़ाकर सभी अपने बच्चों को लेकर पिकप के नीचे कूद पड़े। इसी बीच पिकप चालक ने दुर्घटना बचाने के लिए गाड़ी को पीछे की ओर चला दिया जिससे आठ लोग मैक्स पिकप से घायल हो गए तथा कुछ समय बाद चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में गौरीदेवी (35), कोमल (2), कुंतीदेवी (28), प्रियंका (2) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घायल काजल (17), जीरा (19), माना (21), गगन (3) को गंभीर हालत में सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी हताहत बिहार के गया जिले से रेलगाड़ी से चलकर अलीगढ़ तक आए थे। वे किराये की एक मैक्स पिकप गाड़ी कर होडल जिला पलवल, हरियाणा के एक भट्ठे में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ने लगी हल्की ठंड, दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दिन में तेज धूप और शाम होने के साथ ही हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है और हल्की धुंध भी छाने लगी है। हालांकि पंखे अभी भी चल रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। गुरुवार को दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम सामान्य रहेगा। सुबह-शाम ठंड का अहसास होगा। दिल्ली में 17 से 21 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर शामिल हैं। तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य जगहों पर भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कॉलोनियों से लेकर सड़कों तक पानी भर गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई हैं। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को भी रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो हो सकती है। चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की संभावना है।

नशे के कारोबार पर हुए चौंकाने वाले खुलासे, मिली भगत से 7 राज्यों में फैला नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और गुजरात से 13 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद जो खुलासे हो रहे हैं वो चौंकाने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ और जांच एजेंसियों की जांच में जो भी सामने आ रहा है वो काफी डरावना है। बताया जा रहा है कि इस नशे के कारोबार में ऐसे ऐसे दिग्गजों का संरक्षण है जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती है। तस्करों का नेटवर्क दिल्ली, पंजाब, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध प्रदेश तक फैला था। 'भारत की बर्बादी का सामान सबसे पहले गुजरात पहुंचता था इस नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय से लेकर स्थानीय तस्कर शामिल हैं। दुबई से सरगना वीरेंद्र बसोया उर्फ वीरू के निर्देश पर यूके का तस्कर सतविंदर इसे समुद्री मार्ग के जरिए गुजरात तक पहुंचाता था, जहां फार्मास्यूटिकल कंपनी में कच्चे माल को रिफाइन कर इसे तस्करी के ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल की जा रही दिल्ली भेजा जाता था। इसके बाद अन्य प्रदेशों में इसकी सप्लाई होती थी। कोकीन की खेप गुजरात पहुंचाने वाले कई फरार पूछताछ में आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि अबतक बरामद करीब 1,300 किलो कोकीन की खेप दक्षिण अमेरिकी देशों से तस्करों द्वारा गुजरात की ड्रग्स कंपनी तक पहुंचाई गई थी। हालांकि, गिरोह का पर्दाफाश होते ही नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खिलाड़ी खासतौर से यूके नागरिक और उसके नेटवर्क से जुड़े तस्कर भूमिगत हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

भारत माता की जय और राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने की अनोखी सजा

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। लेकिन जमानत के साथ आरोपी को भोपाल के एक पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने और महीने के अंत तक महीने में दो बार भारत माता की जय का नारा लगाने का निर्देश दिया है।

आरोपी की पहचान फैजल उर्फ फैजान के रूप में हुई है, इस मई में मिसरोद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि फैजान के कार्यों ने कलह को बढ़ावा दिया और देश की अखंडता को कमजोर किया। अदालत के फैसले में न्यायमूर्ति पालीवाल ने कहा कि फ़ैज़ान को 50,000 रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि की एक सॉल्वेंट ज़मानत जमा करने पर रिहा किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत ने जमानत के हिस्से के रूप में कई अनूठी शर्तें लगाईं। फैजान को मुकदमा खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को मिसरोद पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा। इस दौरान पुलिस स्टेशन पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देनी होती है और दो बार भारत माता की जय का नारा लगाना होता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ये स्थितियाँ उनमें उस देश के लिए गौरव की भावना पैदा करने के लिए बनाई गई थीं जिसमें उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ था।

चीन सीमा के पास गाँव में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त, पूरी रात अंधेरे में बिताई

-16 घंटे बाद रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुंचाया

देहरादून (एजेंसी)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जलि में खराब मौसम के चलते चीन सीमा के पास एक सुदूर गाँव रालम में फंस गए थे। करीब 16 घंटे बाद गुरुवार सुबह उन्हें हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुँचाया गया। राजीव कुमार मिलम जा रहे थे, तभी खराब मौसम के कारण उनके हेलीकॉप्टर को रालम गाँव में उतरना पड़ा। यह घटना बुधवार को हुई। उनके साथ उत्तराखंड के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे और सीईसी के पीएसओ नवीन कुमार भी थे। रात उन्हें ग्रामीणों की मदद से एक घर मिला और उन्होंने पूरी रात अंधेरे में आग के सामने हाथ तापते हुए बिताई।

रालम गाँव में बिजली और फोन जैसी बुनियादी सुविधाएँ नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। राजीव कुमार और उनकी टीम इस ठंड और असुविधा का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह मौसम साफ होने पर उन्हें और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से मुनस्यारी लाया गया। मुनस्यारी हेलीपैड पर पिथौरागढ़ के प्रशासनिक अधिकारी, आईटीबीपी और बीआरओ के अधिकारी और कर्मचारी उनकी अगवानी के लिए मौजूद थे। यह घटना पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम की अनिश्चितता को दर्शाती है। राहत की बात यह है कि सीईसी और उनकी टीम सुरक्षित हैं।

चीन के कब्जे वाले तिब्बत की सीमा से लगे पिथौरागढ़ जिले के इस सुदूर इलाके में देश के आजाद होने के बाद भी माइग्रेशन होता है। रालम में रहने वाले लोगों को बिजली संकट से जूझना पड़ता है। शासन-प्रशासन रालम गांव को आज भी बिजली सेवा से नहीं जोड़ सका है लेकिन हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ा। मदद पहुंचने में होने वाली देरी से रालम में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम के लिए गांव में रात गुजरना ही आखिरी विकल्प था। गांव में एक घर खुलवाया गया। चीन सीमा के नजदीक बसे इस गांव में हर साल अप्रैल से अक्टूबर प्रथम सप्ताह तक तीन हजार से ज्यादा लोग माइग्रेट होकर पहुंचते हैं। करीब साढ़े चार माह तक ग्रामीण रालम में ही रहते हैं।

तेजस्वी का आरोप, बिहार में कहें कि शराबबंदी... लेकिन हर चौक-चौराहों पर उपलब्ध

-नीतिश को कुछ खिलाया जा रहा, वे बिहार चलाने लायक नहीं रह गए

पटना (एजेंसी)। जहरीली शराब के सेवन से सीवान में 20 और छपरा में 4 लोगों की दुखद मौत के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला कर कहा कि मुख्यमंत्री और उनका किचन कैबिनेट अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के प्रणेता बने हैं। तेजस्वी ने लिखा कि सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या की गई है। दर्जनों की आँखों की रोशनी चली गई। बिहार में कथित शराबबंदी है, लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है।

राजद नेता ने कहा कि इतने लोग मारे गए लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ने शोक-संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि कितने भी लोग मारे जाए लेकिन मजाल है किसी वरीय अधिकारी पर कोई कारवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा?

तेजस्वी ने कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद बिहार के हर चौक-चौराहे व नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है, तब क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद है? इन हत्याओं का दोषी कौन? उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के नाम पर ढोंग होता है। नीतीश को लेकर तेजस्वी ने बड़ा दावा किया कि उन्हें कुछ खिलाया-पिलाया जा रहा है। अब वह बिहार चलाने लायक नहीं रह गए।

गुरुवार को नीतीश ने सीवान और सारण जिले में हुए जहरीली शराब कांड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के बाद सीएम ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को मौके पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने और सभी बिंदुओं पर गहन जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

यह सिर्फ भाजपा-आरएसएस का प्रचार, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी उतरी ,संजय राउत ने जताया ऐतराज

मुंबई (एजेंसी)। औपनिवेशिक विरासत को त्यागने और अधिक समकालीन न्याय को अपनाने और न्याय के भारतीयकरण को देखने के प्रयास में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुस्तकालय के लिए लेडी जस्टिस की एक पुनः डिज़ाइन की गई प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा में लेडी जस्टिस की तलवार को संविधान के साथ प्रतिस्थापित किया गया है, उनकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है और वह एक साड़ी में हैं। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत नई प्रतिमा को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। परिवर्तन की निंदा करते हुएराउत ने इसे भाजपा-आरएसएस का प्रचार करार दिया है।

इस प्रतिमा का अनावरण 2023 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया था, जिसके बाद से ही ये तस्वीर वायरल हो गई। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

नई प्रतिमा के पीछे स्पष्ट और प्रगतिशील इरादे के बावजूद, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस बदलाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन भाजपा और आरएसएस का एक प्रचार और एक अभियान है। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए पूछा कि न्याय की मूर्ति के हाथ में तलवार की जगह संविधान देकर वे क्या साबित करना चाह रहे हैं? वे पहले से ही संविधान की हत्या कर रहे हैं और प्रतिमा से आंखों की पट्टी हटाकर वे चाहते हैं कि हर कोई भ्रष्टाचार और संविधान की हत्या को खुलेआम देखे।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है।

खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया क्योंकि इस केस के आरोपी शिव कुमार गौतम ने सारे प्लान छोड़ते हुए फायर प्लान खोल दिया। जिससे अन्य आरोपियों को भी पहले ही फायर करना पड़ा। बाबा सिद्दीकी के साथ एक और व्यक्ति को गोली लगी थी। जिस समय गोली जीशान सिद्दीकीचली वो मौका-ए-वारदात से गुजर रहा था। उसी समय व्यक्ति को गोली लग गई। उसे उपचार के लिए भाभा अस्पताल भर्ती कराया गया।

सूत्रों ने बताया कि जीशान खाना खाने के लिए पहले ही निकल चुके थे। सूत्रों ने बताया कि अगर जीशान सिद्दीकी खाने के लिए निकले नहीं होते, तो उनकी भी हत्या हो सकती थी। जीशान बांद्रा से ही कांग्रेस विधायक हैं। उनके विधानसभा क्षेत्र में स्लम री-डेवलपमेंट को लेकर विवाद चल रहा था।

सीबीआई, ईडी और आयकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए

-मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में जीतने को तैयार है।

सिद्धारमैया ने कहा कि प्रदेश में नवंबर में होने वाले उपचुनाव का कांग्रेस पार्टी प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी और सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन आने वाले सीबीआई, ईडी और आईटी सहित सभी संगठनों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नागेंद्र (पूर्व मंत्री बी नागेंद्र) ने कहा है कि उन पर ईडी ने दबाव डाला था। उन्होंने बताया कि उन पर मेरा और डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) का नाम लेने का दबाव डाला गया था।

पूर्व कैबिनेट मंत्री बी नागेंद्र ने जेल से बाहर आने पर आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रूपये के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का नाम लेने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर दबाव डाला था।

मैरिटल रेप मामले की सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई: एनल सेक्स रेप नहीं... हम इसी को चुनौती दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सीजेआई ने सुनवाई करते हुए कहा, अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तब यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तब यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है। इस पर वकील नंदी ने कहा, यदि पति एनल सेक्स करता है, तब पत्नी को अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह यौन क्रिया नहीं है। इस पर जबाव देकर सीजेआई ने कहा कि कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा। वकील नंदी की जिहर, धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तब वह भी बलात्कार होगा। इस पर सीजेआई, लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा। सुनवाई में हिस्से लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तब क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा। वकील नंदी अपनी बात रखते हुए, वह आएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह गलत व्याख्या है। वकील नंदी ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है, तब यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तब यह भी रेप है, लेकिन अगर किसी विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तब यह रेप क्यों नहीं? इस दलील पर सीजेआई ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने विवाह संस्था अस्थिर होगी। इस पर आपका क्या कहना है? इस पर वकील नंदी ने बताया कि एक पुराने केस (केएस पुट्टस्वामी मामले) में यह माना गया कि निजता की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का हनन या लिंग आधारित हिंसा नहीं की जा सकती।

अमर प्रेम की प्रेम कहानी में अभिनय को लेकर बोले आदित्य सील

आदित्य सील की पहचान एक प्रतिभाशाली अभिनेता की है। अमर प्रेम की प्रेम कहानी में उन्होंने अपने शानदार अभिनय से काफी वाहवाही बटोरी है। इस फिल्म में उन्होंने एक साहसिक किरदार निभाया है, जो भावनात्मक रूप से काफी गहन है। हाल में ही न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस फिल्म के लिए अपनी तैयारियों को लेकर बात की है। उन्होंने इस दौरान आने वाली रचनात्मक चुनौतियां और इस जटिल कहानी को पर्दे पर जीवंत करने के लिए की गई तैयारियों को लेकर जानकारियां साझा की हैं।

विविधतापूर्ण किरदारों से बेहतर हुई आदित्य की अभिनय क्षमता

अभिनेता ने इस बातचीत के दौरान कहा कि अपने करियर में अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं करने से उन्हें अपने अभिनय क्षमता को बेहतर करने में काफी मदद मिली है। अभिनेता ने कहा कि अमर प्रेम की प्रेम कहानी में अभिनय करने के बाद मानवीय भावनाओं को समझने और कहानी कहने की उनकी समझ में व्यापकता आई है। इस फिल्म में आदित्य सील की भूमिका मुख्यधारा के भारतीय सिनेमा में एलजीबीटीक्यू समुदाय का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
अभिनेता ने कहा कि कई रूढ़िवादी चित्रणों के विपरीत उनका दृष्टिकोण चरित्र को सामान्य बनाना और प्रेम कहानी को किसी भी अन्य प्रेम संबंध की तरह ही प्रामाणिकता के साथ दर्शकों के सामने लाना था।
अपनी इस भूमिका के लिए अपनी तैयारी पर विचार करते हुए अभिनेता ने बताया, तैयारी पूरी चीज को सामान्य बनाने की कोशिश थी। कई लोग सोच सकते हैं कि इसके लिए समुदाय के कई लोगों से मिलना आवश्यक है, लेकिन मेरे लिए यह आवश्यक नहीं था। मैं पहले से ही एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को जानता था, मैं इसे बस किसी भी अन्य प्रेम कहानी की तरह देखना चाहता था, जहां दो व्यक्ति प्यार में हैं बस। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्होंने किसी खास तरीके के कपड़े पहनने या अलग दिखने की कोशिश नहीं की, जिससे इस समुदाय को लेकर पूर्वधारणाओं को बल मिल सके।
सनी सिंह के साथ रोमांटिक लीड की भूमिका में नजर आए आदित्य ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर भी अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि दोनों को एक-दूसरे के साथ और भूमिका के साथ सहज होने में एक-दो दिन लग गए। उन्होंने आगे कहा कि एक बार जब हमने झिझक की दीवार गिरा दी, तो लिंग वाला पहलू फीका पड़ गया, जिसके बाद ये सिर्फ दो दोस्तों के ऊपर रह गया, जो केमिस्ट्री बनाने के लिए एक साथ काम कर रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उनकी और सनी सिंह की दोस्ती की वजह से कैमरे के सामने भी दोनों के लिए काम आसान हो गया।

फिल्म दो पत्ती किस के किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं कृति सेनन

14 अक्तूबर को काजोल और कृति सेनन अभिनीत फिल्म दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज हुआ। इस दौरान फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ट्रेलर लांच में मौजूद रही। फिल्म में कृति सेनन का डबल रोल है। दो पत्ती के ट्रेलर लांच के दौरान कृति और काजोल ने मीडिया के कई सवालों के जवाब दिए। कृति ने इस दौरान बताया कि वह फिल्म में अपने किस किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं और किस किरदार के ज्यादा करीब हैं। आज दो पत्ती के ट्रेलर लांच के दौरान बातचीत में कृति सैनन ने बताया कि वो सौम्या या शैली किस किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं। कृति ने कहा, बहुत सी बातें हैं जो सौम्या जैसी मेरे साथ हैं और बहुत सी बातें ऐसी भी हैं जो मैं सौम्या की तरह नहीं करती लेकिन मैं ज्यादा सौम्या की तरफ हूं। इस पर काजोल उन्हें रोकते हुए कहती हैं कि खाना बनाना आता है। इस पर कृति जवाब देती हैं, थोड़ा बहुत। कृति सेनन ने कहा कि सौम्या का किरदार ज्यादा बात करना पसंद नहीं करता है, जबकि कृति खुद बिना बोले नहीं रह सकती हैं।

दो पत्ती फिल्म को लेकर ऐसा सोचती हैं अभिनेत्रियां ओटीटी पर फिल्म रिलीज को लेकर कृति सेनन ने कहा कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, इसको लेकर कलाकारों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। काजोल ने कहा कि इस फिल्म को लेकर मैं नर्वस नहीं हूं। मुझे जितने अच्छे तरीके से अपना काम करना था मैंने किया, उसको लेकर मैं परेशान नहीं हूं, मुझे डर नहीं लग रहा है। हम बस फिल्म के लिए आपका प्यार चाहते हैं। कृति सेनन ने इस सवाल पर कहा कि फिल्म को लेकर वह थोड़ी नर्वस हैं। वे चाहती हैं कि फिल्म को मिमी की तरह ही प्रशंसकों का प्यार दो पत्ती को भी मिले।

25 अक्तूबर को रिलीज होगी फिल्म

फिल्म दो पत्ती 25 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 'दो पत्ती' कृति के होम प्रोडक्शन 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' की पहली फिल्म है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक चतुर्वेदी ने किया है। कृति सेनन ने फिल्म में डबल रोल अदा किया है। वे दो जुड़वा बहनों की भूमिका में हैं। वहीं, काजोल ने फिल्म में पुलिस अफसर की भूमिका निभाई है।

मैंने कभी नहीं माना कि मैं दुनिया की सबसे सुंदर लड़की हूं, पर मेरे अंदर टैलेंट है

महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में ऋतिक रोशन की मां का रोल करना हो या भारत में खुद से बड़े सलमान खान की मां का, सोनाली कुलकर्णी हमेशा ही एक निडर अदाकारा रही हैं। अपने किरदारों के साथ प्रयोग करने वाली सोनाली इन दिनों वेब सीरीज मानवत मर्डर्स को लेकर अपने नेगेटिव किरदार के लिए चर्चा में हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत -

आप हमेशा एक निडर अभिनेत्री रही हैं। यह निडरता कहां से लाती हैं?

मुझे यह शक्ति मेरे दर्शक देते हैं। अगर वे मुझे इन किरदारों में स्वीकार नहीं करते, अगर मिशन कश्मीर के बाद ऑडियंस कहती कि अरे, ये कहां से संजय दत्त की पत्नी और ऋतिक की मम्मी लगती है, तो मैं आगे यह हिम्मत नहीं कर पाती, पर ऐसा नहीं हुआ। मुझे मिशन कश्मीर के लिए इतने सारे नॉमिनेशन मिले, तब के राष्ट्रपति जी तक से तारीफ मिली, मतलब लोगों ने मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल किया।

मेरे पति को मैं बिना मेकअप सुंदर लगती हूं

वो आगे कहती हैं, हां, यह सही है कि बहुत से लोगों को लगता है कि कम उम्र में ऐसे रोल नहीं करना चाहिए, ऐक्ट्रेस को पर्दे पर यंग ही दिखना चाहिए, मगर मुझमें हमेशा ही खुद को लेकर आत्मविश्वास रहा है। मैंने कभी यह नहीं माना कि मैं दुनिया की सबसे सुंदर लड़की हूं। हां, मेरे आई-बाबा (माता-पिता) के लिए मैं बहुत अच्छी लड़की हूं। मेरे पति को मैं बिना मेकअप भी सुंदर लगती हूं और इतना मेरे लिए काफी है। मेरा मानना है कि आपको काम आपकी सुंदरता के लिए नहीं, आपके ऐक्टिंग टैलंट के लिए मिलता है तो उस टैलंट को उभारने के लिए मैंने हमेशा चैलेंज लिए हैं। इसमें मुझे बहुत मजा आता है।

रुक्मिणी जैसा नकारात्मक किरदार निभाना आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा? खुद एक बेटी की मां होने के नाते मासूम बच्चियों के प्रति क्रूर इस किरदार ने आप पर किसी तरह का असर डाला?

अपने करियर में मैंने कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया तो बतौर कलाकार मेरे लिए बहुत अलग अनुभव था। मैंने अब तक जो रोल किए हैं, उनमें एक अच्छाई रही है। वे अपने परिवार, देश का अच्छा चाहती थी, जबकि रुक्मिणी बिल्कुल अलग है। मैंने स्क्रीन पर ऐसा नेगेटिव रोल कभी नहीं किया था तो करियर के इस मोड़ पर ऐसा ग्रे किरदार करना बहुत बड़ा चैलेंज था। उसकी सोच की परतें ढूंढ़ना बहुत मुश्किल था। निश्चित तौर पर इस भूमिका का मुझ पर बहुत असर पड़ा।

आपकी कोई अधूरी ख्वाहिशें हैं, जो आप पूरा करना चाहती हैं?

बिल्कुल, मैं बहुत समय से किसी खिलाड़ी का रोल करना चाहती थी। वह मिला नहीं तो मैंने काफी सारे ट्रायथलॉन रेस में भागीदारी कर डाली। मैं अभी भी अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती हूं। साइकिलिंग करती हूं। रनिंग, स्विमिंग करती हूं। कुल मिलाकर मैं स्पोर्ट्स पर्सन हूं और आशा करती हूं कि मुझे कभी किसी खिलाड़ी का रोल निभाने को मिले। जब मैं छोटी थी तो पीटी उषा का नाम बहुत चर्चा में रहता था, क्योंकि उन्होंने हमारे लिए मेडल जीते थे, तो कभी वो रोल मिले तो बहुत मजा आएगा।

सामंथा रूथ प्रभु ने की आलिया के अभिनय की प्रशंसा

आलिया भट्ट अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जिगरा की सफलता का लुत्फ उठा रही हैं । भाई-बहन के इर्द-गिर्द घूमती यह एक्शन ड्रामा फिल्म आलिया के प्रशंसकों को पसंद आ रही है। आलिया के प्रशंसकों के अलावा यह फिल्म साउथ अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु को भी काफी पसंद आई। सामंथा ने फिल्म में आलिया के अभिनय की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट लिखा है। उन्होंने आलिया को टाइग्रेस कहा और फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ की। साथ ही आलिया ने भी सामंथा की प्रशंसा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद सैम। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा रूथ प्रभु ने जिगरा का एक पोस्टर किया था। पोस्टर के साथ, उन्होंने आलिया भट्ट की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें टाइग्रेस कहा। उन्होंने निर्देशक वासन बाला और वेदांग रैना की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, श्आलियाभट्ट आप बाघिन हैं! एक ऐसा प्रदर्शन जो इतना जोशपूर्ण और जीवन से भरा हुआ है कि मैं अपनी आंखें आपसे हटा नहीं पाई! आपने बेहद साहसी काम किया है। आपने अपने लिए जो मापदंड तय किए हैं वह वाकई में प्रेरणा देते हैं।

सिंघम अगेन से भूल भुलैया 3 के क्लैश पर कार्तिक ने तोड़ी चुप्पी

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 दिवाली की छुट्टियों के मौके पर 1 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर 2022 की हॉरर कॉमेडी की इस अगली कड़ी की भिड़ंत रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन से होगी। हाल ही में एक इवेंट में कार्तिक ने फिल्मों के टकराव और उससे बिजनेस पर पड़ने वाले असर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही अपने बयान से हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस क्लैश पर बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा, दिवाली इतनी महत्वपूर्ण छुट्टी है कि मेरा मानना है कि दो फिल्में आसानी से सिनेमाघरों में एक साथ रह सकती हैं। जहां सिंघम अगेन एक्शन जॉनर के अंतर्गत आती है, हमारी फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी है। एक फिल्म दर्शक के रूप में, मैं इसे सभी के लिए एक त्योहार के रूप में देखता हूं, जिसमें एक ही दिन में दो विकल्प होते हैं, जो इन दिनों हमारी इंडस्ट्री में दुर्लभ है।

दिगांगना ने बाल कलाकार के रूप में की थी करियर की शुरुआत

दिगंगना एक भारतीय अभिनेत्री, गायिका और लेखिका हैं। दिगंगना हिंदी और तेलुगु फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। दिगंगना ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी टेलीविजन से की थी। दिगंगना ने टीवी सीरियल एक वीर की अरदास...वीरा में वीरा की भूमिका के लिए जानी जाती हैं।

दिगंगना 2015 में रियलिटी शो बिग बॉस 9 में भी नजर आ चुकी हैं। दिगंगना ने हिंदी फिल्म की शुरुआत फाइडे, तेलुगु फिल्म की शुरुआत हिप्पी और तमिल फिल्म की शुरुआत धनुसु रासी नेयारगले से की थी।

इन फिल्मों धमाल मचाते नजर आएंगे ऋतिक रोशन, एक्शन, रोमांस और थ्रिलर होगा भरपूर

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन कम ही फिल्में कर रहे हैं, लेकिन वह जो भी फिल्म करते हैं, उसकी रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं क्योंकि ऋतिक की फिल्मों में भरपूर मात्रा में एक्शन, रोमांस, थ्रिलर और सस्पेंस होता है।

ऋतिक की फिल्म वॉर 2 की शूटिंग लगातार जारी है। इस फिल्म में ऋतिक के साथ पैन इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इसके अलावा इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आ सकती हैं। फिल्म की शूटिंग से कई वीडियोज और क्लिप सोशल मीडिया पर आए दिन वायरल होते रहते हैं। इस फिल्म की रिलीज का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 एक आगामी बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म यश राज स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन फिल्म कृष की चौथी फ्रेंचाइजी कृष 4 में भी धमाल कर सकते हैं। इस फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन पहले की बाकी फ्रेंचाइजी को देखते हुए यही लग रहा है कि अगर कृष 4 आती है तो इसमें भी ऋतिक सुपर पॉवर के साथ कमाल दिखाएंगे। कृष 4 कृष सीरिज का चौथा भाग होगा, जिसका निर्देशन राकेश रोशन करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सत्ते पे सत्ता फिल्म का रीमेक आ सकता है। अगर ऐसा होता है कि तो इस फिल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभीतक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

श्रद्धा कपूर से मिली तारीफ से गदगद हुईं निमरत

निमरत कौर हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें द लंचबॉक्स और एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मों के अलावा निमरत सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने बीते दिनों दिलजीत दोसांझ का एक गाना गुनगुनाते हुए अपनी वीडियो साझा की थी इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए श्रद्धा कपूर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा था, ये टैलेंट छिपा के क्यों रखा था। श्रद्धा की तारीफ पर खुशी जताते हुए निमरत ने लिखा, श्रद्धा ने तारीफ की मतलब अच्छा ही होगा, धन्यवाद।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।

- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं, जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिटटी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

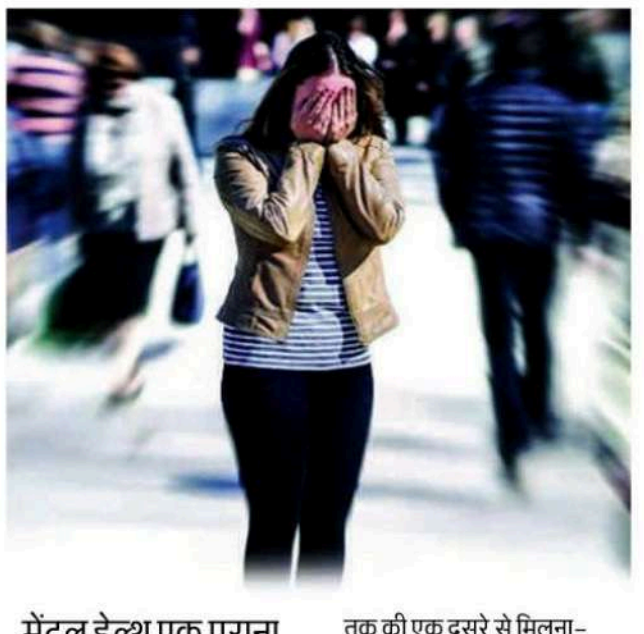

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ठ के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नही मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267